बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार, तिथि १ अप्रैल, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

जिला बोर्ड स्कूल के हरिजन छात्रों के लिये शुल्क।

१५१। श्री योगेन्द्र महतो—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि हाई स्कूल के मिड्ल के दो वर्गों में हरिजन छात्रों को निःशुल्क करने के कारण जो क्षति होती है उसकी पूर्त्ति सरकार द्वारा की जाती है;

(ख) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिले में डी० आई० औफ स्कूल्स के द्वारा म्युनिसपल मिड्ल स्कूलों में शुल्क की ऐसी क्षति पूर्त्ति की जाती है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिला बोर्ड से सहायता प्राप्त मिड्ल स्कूलों में इस क्षति की पूर्त्ति करने पर विचार करती है, यदि नहीं, तो क्यों?

श्री बदरीनाथ वर्मा—(क) उत्तर हां है।

(ख) सरकार के पास इसके विषय में कोई सूचना अभी नहीं आई है।

(ग) पूरा ब्योरा प्राप्त होने पर इस विषय पर सरकार निश्चित रूप से आदेश जारी करेगी।

श्री योगेन्द्र महतो—उत्तर (ख) से, क्या सरकार इस बात की जांच कराएगी कि म्युनिसिपैलिटी के अन्दर जो मिड्ल स्कूल हैं वहां निःशुल्क शिक्षा हरिजन छात्रों को नहीं दी जाती है?

श्री बदरीनाथ वर्मा—साधारण नियम यही है परन्तु सरकार जांच कराएगी।

श्री योगेन्द्र महतो—क्या सरकार सूची मंगाने की कृपा की है?

श्री हरिनाथ मिश्र—ऐसे भी हौल होते हैं जिनमें बरामदे नहीं होते हैं। इसमें बरामदा है और उसी को घेर कर मरीजों को रखा गया है। इसके अलावे इस बरामदे को हौल बनाने के लिये प्लैन और स्टीमेट मांगा गया है और आ जाने से यह हौल बन जायगा।

अध्यक्ष—यहां तो मकान का सवाल है और इसके लिये प्लैन और स्टीमेट मांगा गया है जो आ जाने से मकान बन जायगा।

धनवार ऐलोपैथिक औषधालय के लिए मकान।

*१६९५। श्री पुनीत राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि धनवार, जिला हजारीबाग के अन्तर्गत एक एलोपैथिक दातव्य औषधालय है;

(ख) क्या यह बात सही है कि यहां रोगियों की संख्या पर्याप्त रहती है;

(ग) क्या यह बात सही है कि इस औषधालय का प्रारंभ धनवार राज की ओर से किया गया था और एक सहायक सिविल सर्जन यहां रहता था;

(घ) क्या यह बात सही है कि यह बहुत पुराना औषधालय है और राज्य की ओर से एक छोटा पुराने ढंग का मकान औषधालय के लिये बनवा दिया गया था;

(ङ) क्या यह बात सही है कि अभी इस औषधालय में रोगियों के ठहरने, औपरेशन रूम इत्यादि, डाक्टर तथा कम्पाउन्डर के लिए निवास स्थान का प्रबंध नहीं है, यदि हां, तो क्या सरकार इसकी व्यवस्था करने का विचार करती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) सरकार को इस सम्बन्ध में सूचना नहीं है।

(ग), (घ) और (ङ) उत्तर स्वीकारात्मक है। लेकिन वहां सब-असिस्टेंट सर्जन रहते थे। अर्थाभाव के कारण सरकार अभी तक इस संबंध में कुछ भी विचार नहीं कर सकी है।

श्री त्रिवेणी कुमार—(ख) के उत्तर में सरकार ने बताया कि सरकार को इसकी सूचना नहीं है तो मैं जानना चाहता हूं कि इस अस्पताल में रोगियों की संख्या पर्याप्त है या नहीं यह जानने के लिये सरकार ने क्या किया?

अध्यक्ष—संख्या पर्याप्त है या नहीं यह राय की बात है।

पटना सदर अस्पताल में बिहारी नर्सों के प्रति दुर्व्यवहार।

*१६९६। श्री जुनुस सुरीन—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि पटना सदर अस्पताल में बिहार की नर्सों को न लेकर मद्रासी नर्सों को ट्रेनिंग में लिया जाता है;

(ख) क्या यह बात सही है कि पटना सदर अस्पताल की मद्रासी मैट्रोन बिहार के नर्सों के साथ ठीक व्यवहार नहीं करती है, यदि हां, तो सरकार इस सम्बन्ध में क्या प्रबंध करने का विचार करती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) उत्तर नकारात्मक है। सभी प्रान्तों की नर्सें ट्रेनिंग के लिये ली जाती है।

(ख) सरकार को इसके बारे में कोई सूचना नहीं है।

श्री जुनुस सुरीन—मैं जानना चाहता हूं कि अभी कितनी नर्सें हैं और उसमें कितने बिहारी हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—अभी ठीक-ठीक आंकड़ा देना मेरे लिये संभव नहीं है लेकिन मैं इतना बतला देना चाहता हूं कि नर्सों की बहाली के लिये एक कमिटी है जिसके सभापति इस सभा के एक माननीय सदस्य हैं और अभी तक ऐसा कोई भी केस नहीं है जिसमें सरकार उस कमिटी की सिफारिश के खिलाफ काम किया हो।

श्री जुनुस सुरीन—क्या यह बात सही है कि बिहार में ट्रेंड मैट्रोन नहीं रहने से ही मद्रासी मैट्रोन ली गई हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—मद्रासी मैट्रोन कैसे ली गयी हैं, इसका जवाब अभी मैं नहीं दे सकता हूं पर मेरा ख्याल है कि अभी तक बिहारी लड़कियां मैट्रोन या इस तरह के ट्रेनिंग के लिये नहीं आती हैं या बहुत कम आती हैं।

अध्यक्ष—उनका प्रश्न है कि क्या यह बात ठीक है कि बिहारी मैट्रोन के अभाव में मद्रासी मैट्रोन ली गयी है।

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं इस सम्बन्ध में जानकारी करूंगा।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—मैं जानना चाहता हूं कि सेलेक्शन कमिटी के चेयरमैन कौन हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—श्री जगत नारायण लाल।

श्री जगन्नाथ सिंह—क्या यह बात सत्य है कि बिहारी नर्से रिक्वीजीट क्वालीफिकेशन के नहीं मिलती हैं, इसीलिये मद्रासी या दूसरे-दूसरे प्रान्त के नर्सों को लेना होता है?

श्री हरिनाथ मिश्र—यह बात भी कुछ हद तक ठीक है कि बिहारी लड़कियां इस तरह के ट्रेनिंग में नहीं जाती हैं इसलिये मद्रासी या दूसरे-दूसरे प्रान्त से लड़कियों को लेना पड़ता है।

श्री जगन्नाथ सिंह—क्या यह बात सही है कि योग्य नर्सें नहीं मिलने से उनकी बहुत सी जगहें खाली पड़ी हुई हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—यह बात सही है कि विहारी ट्रेंड नर्स नहीं मिलती हैं।

श्री जगन्नाथ सिंह—क्या सरकार समाचार-पत्रों में नर्सों को जब बहाल करना रहता है तो विज्ञापन (ऐडवरटाइज) करती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—हां।

श्री जगन्नाथ सिंह—क्या यह बात सही है कि नर्सों की बहाली डाइरेक्ट होती है और सेलेक्शन कमिटी की सिफारिश यों ही रह जाती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—मैंने उत्तर दे दिया है कि जहां तक सरकार की जानकारी है सरकार बराबर सेलेक्शन कमिटी की सिफारिश को मानती है।

श्री इगनेस कुजूर—क्या यह बात सही है कि मद्रासी नर्स मरीजों की भाषा को अधिक समझती हैं और उनमें सेवा का भाव अधिक है?

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं अस्पताल में मरीज नहीं रहा हूं इसलिये इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता हूं।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—सेलेक्शन कमिटी के सदस्य कौन-कौन हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—पूरी सूची तो हमारे पास नहीं है पर कुछ का नाम मैं बता सकता हूं।

अध्यक्ष—जब पूरी सूची नहीं है तब कुछ सदस्यों का नाम बताना बेकार है।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—उस सेलेक्शन बोर्ड में कोई सदस्या है या नहीं; और उस सदस्या का नाम क्या है?

श्री हरिनाथ मिश्र—श्री कमला मुखर्जी।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—इस सदन के सदस्या को क्यों नहीं रखा गया?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—क्या सरकार बिहार के लड़कियों को नर्स बनाने के लिए प्रोत्साहन देना चाहती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—सरकार हमेशा प्रोत्साहन देने के लिए तैयार है, लेकिन माननीय सदस्य जैसे कार्यकर्त्ता इस विषय में आगे बढ़ें तो सरकार को सहूलियत मिलेगी।

श्री हृदय नारायण चौधरी—सरकार क्या प्रोत्साहन देना चाहती है?

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगा कि वे इस प्रश्न का अध्ययन करें और सुझाव दें कि किस तरह का प्रोत्साहन चाहते हैं तो सरकार उनके सुझाव पर विचार करेगी।

कुसुमा बंगला में दवाखाना।

*१६९७। श्री जेठा किस्कू—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि कुसुमा बंगला राजमहल सबडिवीजन और गोड्डा सबडिवीजन के तेलो राजा सिठा, धामनी पाकुड़ सबडिवीजन सिमलौंग, दामिन बंगला एवं धर्मपुर इन पांच बंगलों में सरकार की ओर से एक भी अस्पताल नहीं है;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उस क्षेत्र में अस्पताल या दवाखाना खोलने के लिये विचार करती है, यदि नहीं, तो क्यों?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) धर्मपुर में जिला बोर्ड का एक अस्पताल है और यह सिमलांग धामनी या कुसुमा बंगला से थोड़ी दूर पर है। अतः इस क्षेत्र में अस्पताल खोलने की जरूरत अभी नहीं मालूम होती है।

DEATH OF A BOY IN MEDICAL HOSPITAL WITHOUT MEDICAL AID.

*1698. Shri JAGANNATH SINGH: Will the Health Minister be pleased to state—

(a) whether the attention of Government has been drawn to the news published in a local English daily, dated March 6, 1954 under the caption—"Boy Dies in Hospital without Medical Aid";

(b) if answer to clause (a) be in the affirmative, full facts of the case and the action taken in this connection?

Shri HARINATH MISHRA: (a) The reply is in the affirmative.

(b) A statement showing full facts of the case is placed on the table. In view of the fact that all possible attention was given to the patient, the question of taking any action in this connection does not arise.